

अध्याय - 8 | किसान, जमींदार और राज्य

QUIZ-01

1. मुगल काल के इंडो-पारसी स्रोतों में किसान के लिए कौन-सा शब्द प्रयुक्त होता था?

- A. असाामी B. रैयत
C. मुकदम D. मज़दूर (B)

व्याख्या: रैयत शब्द मुगल काल में किसानों के लिए सबसे अधिक प्रयुक्त होता था।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी फसल जिन्स-ए-कामिल (उत्तम फसल) मानी जाती थी?

- A. गेहूं B. चावल
C. कपास D. बाजरा (C)

व्याख्या: कपास और गन्ना को अधिक राजस्व देने वाली फसलें मानते हुए जिन्स-ए-कामिल कहा गया।

3. 'आइन-ए-अकबरी' किसने लिखी थी?

- A. अबुल फ़ज़ल B. बदायूनी
C. अल-बिरुनी D. इब्र बतूता (A)

व्याख्या: अबुल फ़ज़ल ने आइन-ए-अकबरी की रचना की थी जो अकबर के दरबारी इतिहासकार थे।

4. किस मुगल सम्राट ने तंबाकू की लत के कारण उस पर प्रतिबंध लगाया था?

- A. अकबर B. जहांगीर
C. औरंगज़ेब D. शाहजहाँ (B)

व्याख्या: जहांगीर ने तंबाकू की लत के कारण उस पर प्रतिबंध लगाया था, जो सफल नहीं हो पाया।

5. गांव प्रशासन में मुकदम की भूमिका क्या थी?

- A. राजस्व संग्रहण B. सैन्य नेतृत्व
C. गांव का प्रधान D. कारीगरों का निरीक्षक (C)

व्याख्या: मुकदम या मंडल गांव का प्रधान होता था जो लेखा-जोखा और अनुशासन की देखरेख करता था।

6. किस प्रणाली में फसल की कटाई के बाद उसे किसानों की उपस्थिति में बाँटा जाता था?

- A. खेत-बटाई B. कांकट
C. लंग-बटाई D. बटाई या भौली (D)

व्याख्या: बटाई या भौली में फसल को काटने के बाद किसानों की उपस्थिति में बाँटा जाता था।

7. कौन सी भूमि हर साल लगातार जोती जाती थी और कभी परती नहीं छोड़ी जाती थी?

- A. परौटी B. चाचर
C. बंजर D. पोलाज (D)

व्याख्या: पोलाज वह भूमि थी जिसे हर वर्ष जोता जाता था और कभी परती नहीं छोड़ा जाता।

8. बिहार में किस समूह को दासों के समान माना जाता था?

- A. सद्रोप B. मल्लाहज़ादा
C. कैवर्त D. हलालखोर (B)

व्याख्या: बिहार में मल्लाहज़ादा को दासों के समान सामाजिक स्थिति में रखा गया था।

9. गांवों में कारीगरों को पारिश्रमिक देने का सबसे सामान्य तरीका क्या था?

- A. मासिक वेतन B. नकद भुगतान
C. फसल में हिस्सा या भूमि आवंटन
D. व्यापार पर कमीशन (C)

व्याख्या: कारीगरों को आमतौर पर फसल का हिस्सा या भूमि अनुदान (जैसे महाराष्ट्र में मीरास/वतन) दिया जाता था।

10. मुगल राजस्व प्रणाली में 'जामा' का अर्थ क्या था?

- A. मापी गई भूमि की मात्रा B. किसानों की संख्या
C. कर का आकलित मूल्य
D. वसूल की गई अंतिम राशि (C)

व्याख्या: जामा वह राशि थी जो कर के रूप में आकलित की जाती थी, जबकि हासिल वह थी जो वास्तव में वसूल हुई।